

Q7. ऑस्ट्रेलिया की जलवायु की विशेषताओं का वर्णन करें। कहां तक आर्थिक व खाली ऑस्ट्रेलिया का विभाजन जलवायु के आधार पर है?

→ ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप पूर्णतः दक्षिणी गोलार्ध में स्थित है। मकर रेखा इसके मध्य से हो कर गुजरती है। अतः यहां उष्ण व शीतोष्ण कटिबंधिय जलवायु पाई जाती है। ऊँची पर्वत श्रृणियों के अनुपस्थिति के कारण यहां तापक्रम के वितरण पर धरातलमिथ प्रभाव नहीं पड़ता है। समुद्री धाराएँ भी ऑस्ट्रेलिया की जलवायु को अधिक प्रभावित नहीं कर पाती हैं। यहां की जलवायु जिन भौगोलिक तत्वों

पर आघृत है। वे निम्नलिखित हैं—

(i) स्थिति :- यह महाद्वीप पूर्णतः दक्षिणी गोलार्ध में स्थित है।
इसका विस्तार 10° द. - 43° द. अक्षांस तक एवं 113° पू. - 153° पू. देशान्तर तक है। अतः उष्ण व शीतोष्ण दोनों प्रकार की जलवायु पाई जाती है।

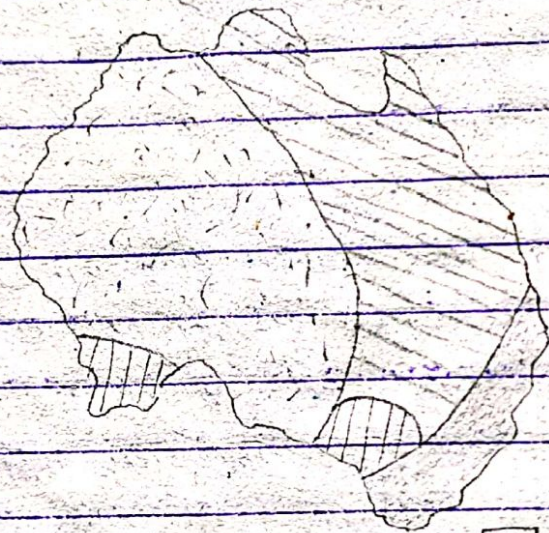
(ii) उच्चावचन :- यद्यपि महाद्वीप के पश्चिमी भाग में विस्तृत पर्वत श्रेणियाँ अधिक ऊँची नहीं हैं तथापि वे एक पश्चिमी समुद्री हवाओं को ~~रुकने~~ रोकने में सक्षम हैं। जिससे आस्ट्रेलिया के विस्तृत मध्य व पूर्वी भाग शुष्क रह जाते हैं। ये पर्वतीय भाग उत्तर-पश्चिम मानसून व शीतकाल में पच्छिमी हवाओं को आंतरिक प्रदेशों में प्रवेश से रोक देती हैं।

(iii) महासागरीय जलधाराएँ :- आस्ट्रेलिया एक टापू है फिर भी यहाँ की जलवायु पर जलधाराओं का कोई विशेष प्रभाव नहीं है। प. आस्ट्रेलिया की ठंडी धारा का प्रभाव कम ही पड़ता है क्योंकि महाद्वीप का विस्तार उत्तर-दक्षिण कम है। पूर्वी आस्ट्रेलिया धारा द्वारा उत्तर व पूर्वी तट का तापमान उच्च रहता है। अतः यहाँ वर्षा अधिक होती है।





आस्ट्रेलिया में मुख्यतः दो ऋतुएँ पाई जाती हैं। जब सूर्य मकर रेखा पर लम्बवत होता है तो यहाँ ग्रीष्म ऋतु होती है और जब सूर्य कर्क रेखा पर जाता है तो यहाँ शीत ऋतु होती है। यहाँ सितंबर से मार्च तक ग्रीष्म ऋतु रहती है, सबसे गर्म स्थान पीलवारा होता है जिसका औसत तापमान दिसंबर में 29°C रहता है। इसके विपरीत अंटार्कटिका से सितंबर तक यहाँ शीतऋतु होती है। इस समय उत्तर से दक्षिण की ओर तापमान कमता जाता है। उत्तरी भाग का तापमान 15°C एवं दक्षिणी-पूर्वी भाग का तापमान 4°C हो जाता है।

जनवरी मास में यहाँ अल्पदाव के क्षेत्र का विस्तार रहता

है जो लगभग 1000mm के बराबर होता है। जबकि इसी
 समय महादीप के द. पूर्व. भाग में 1014 mm का उच्च दक्ष
 होता है। इसी समय महादेश के उ. पू. ~~भाग~~ ~~में~~ ~~है~~
 सागरीय भाग में उच्च दक्ष के कारण मानसून उत्पन्न
 होता है जिससे पश्चिमी भाग वर्षा पाता है। पर्वतीय वाधा
 के कारण महादेश का मध्य व पूर्व भाग वर्षा से वंचित
 रह जाता है। तस्मानिया में पछुआ हवा से वर्षा होती
 है। दक्षिणी भाग में उच्च दक्ष के कारण समुद्री हवाओं का
 प्रभाव नहीं पड़ता।



INDEX

-  < 50 cm
-  50-100 cm
-  100-150 cm
-  > 150 cm

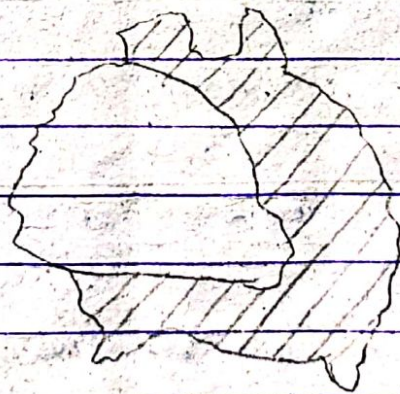
आस्ट्रेलिया के दक्षिणी भाग से चलने वाली उष्ण, शुष्क,
 धूलपूर्ण चक्रवातिय. हवाओं को BRICK FIELDS, एवं दक्षिण
 से आनेवाली ठंडी स्थानिय हवा को SOUTHERN BUSTERS
 कहते हैं। इसी प्रकार उत्तर-पश्चिमी तट पर चलने वाली
 उष्ण कटिबंधिय चक्रवात को WALLY WALLIES कहते हैं।
 आस्ट्रेलिया में वर्षा के वितरण से यह स्पष्ट है
 कि यहां के 12% भाग पर 100 cm से अधिक, 22% भाग

पर 50-100 cms तथा 60% भूमि पर 50 cm से भी कम वर्षा होती है।

किसी भी महादेश का आर्थिक आधार कृषि होती है। और कृषि वर्षा के मात्रा पर निर्भर करती है। आस्ट्रेलिया के आर्थिक विकास को दूसरा स्तंभ है - पशुपालन। पशुपालन भी जलवायु की उपेक्षा कर संभव नहीं है। पशुओं के विकास एवं उत्तम उत्पादन प्राप्ति हेतु अनुकूल जलवायु आवश्यक है। महादेश के पश्चिमी व मध्य भाग मरुस्थलिय है, जहाँ नमी की कमी के कारण आर्थिक हियाकुलाप नहीं होते हैं।

आस्ट्रेलिया में वर्षा अर्द्ध-चन्द्राकार रूप में होती है। अतः कहा जा सकता है कि खाली आस्ट्रेलिया या आर्थिक आस्ट्रेलिया के विभाजन का मुख्य आधार वर्षा या जलवायु है। आर्थिक व खाली आस्ट्रेलिया को जलवायु के आधार पर दो भागों में बाँटा जाता है -

- (i) आर्थिक दृष्टि से उन्नत क्षेत्र :- उत्तरी, पूर्वी व दक्षिणी आस्ट्रेलिया जहाँ वर्षा अधिक होती है विभिन्न प्रकार के फसलें उगाई जाती हैं। इस क्षेत्र की जलवायु पशुपालन हेतु भी उपयुक्त है। यहाँ चारा आसानी से उपलब्ध है अतः पशुपालन व कृषि आधारित उद्योगों का उत्तम विकास हुआ है।



INDIA

▨ > 50 cm Rainfall and develop area

□ < 50 cm Rainfall and Non develop area